Resource: अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Questions has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

TIT

तीतुस 1:1, तीतुस 1:2, तीतुस 1:2 (#2), तीतुस 1:3, तीतुस 1:4, तीतुस 1:6, तीतुस 1:7, तीतुस 1:7 (#2), तीतुस 1:8, तीतुस 1:9, तितुस 1:11, तीतुस 1:11 (#2), तीतुस 1:13, तीतुस 1:14, तीतुस 1:15, तीतुस 1:16, तीतुस 2:2, तीतुस 2:3, तीतुस 2:4, तीतुस 2:7, तीतुस 2:8, तीतुस 2:9, तीतुस 2:10, तीतुस 2:11, तीतुस 2:12, तीतुस 2:13, तीतुस 2:14, तीतुस 3:1, तीतुस 3:3, तीतुस 3:5, तीतुस 3:5 (#2), तीतुस 3:7, तीतुस 3:8, तीतुस 3:9, तीतुस 3:10, तीतुस 3:14

तीतुस 1:1

पौलुस का परमेश्वर की सेवा में उद्देश्य क्या था?

उनका उद्देश्य परमेश्वर के चुने हुए लोगों के विश्वास को स्थापित करना और सच्चाई का ज्ञान को स्थापित करना था।

तीतुस 1:2

परमेश्वर ने अपने चुने हुए लोगों से अनन्त जीवन का वादा कब किया?

परमेश्वर ने अपने चुने हुओं से सनातन से प्रतिज्ञा की है।

तीतुस 1:2 (#2)

क्या परमेश्वर झूठ बोलते हैं?

नहीं।

तीतुस 1:3

परमेश्वर ने ठीक समय पर अपने वचन को उस प्रचार के द्वारा किसे सौंपा?

परमेश्वर ने इसे प्रेरित पौलुस को सौंपा।

तीतुस 1:4

तीतुस और पौलुस के बीच क्या सम्बन्ध था?

तीतुस पौलुस के लिए एक सच्चे पुत्र के समान थे क्योंकि उनका विश्वास समान था।

तीतुस 1:6

एक प्राचीन की पत्नी और बच्चे कैसे होने चाहिए?

उन्हें एक पत्नी का पति होना चाहिए और उनके बच्चे विश्वासी होने चाहिए जिन पर लुचपन और निरंकुशता का दोष न हों।

तीतुस 1:7

निर्दोष बनने के लिए एक प्राचीन को किन-किन चरित्र दोषों से बचना चाहिए?

उन्हें हठी, क्रोधी, पियक्कड़, मारपीट करनेवाला, या नीच कमाई का लोभी नहीं होना चाहिए।

तीतुस 1:7 (#2)

परमेश्वर के घर में एक अध्यक्ष की क्या स्थिति और जिम्मेदारी होती है?

वे परमेश्वर के घराने के भण्डारी के समान हैं।

तीतुस 1:8

एक प्राचीन में कौन-कौन से उत्तम गुण होने चाहिए?

एक प्राचीन को पहुनाई करनेवाला, भलाई का चाहनेवाला, संयमी, न्यायी, पवित्र और जितेन्द्रिय होना चाहिए।

तीतुस 1:9

एक अध्यक्ष को उस सन्देश के प्रति क्या दृष्टिकोण रखना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया था?

उन्हें स्थिर रहना चाहिए, ताकि वे दूसरों को उपदेश दे सके; और विवादियों का मुँह भी बन्द कर सके।

तितुस 1:11

झूठे शिक्षक अपनी शिक्षाओं से क्या कर रहे थे?

वे घर के घर बिगाड़ रहे थे।

तीतुस 1:11 (#2)

झूठे शिक्षकों की क्या इच्छाएँ थीं?

वे नीच कमाई की इच्छा रखते थे।

तीतुस 1:13

एक प्राचीन को उन झूठे शिक्षकों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए जो कलीसिया को नुकसान पहुँचाते हैं?

उन्हें कड़ाई से चेतावनी देनी चाहिए कि वे विश्वास में पक्के हो जाएँ।

तीतुस 1:14

पौलुस ने क्या कहा कि उन्हें किस पर ध्यान नहीं देना चाहिए?

उन्हें यहूदियों की कथा कहानियों और उन मनुष्यों की आज्ञाओं पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

तीतुस 1:15

एक अविश्वासी पुरुष में, क्या अशुद्ध होता है?

उनकी बुद्धि और विवेक दोनों अशुद्ध हैं।

तीतुस 1:16

यद्यपि अशुद्ध मनुष्य परमेश्वर को जानने का दावा करता है, फिर भी वह उन्हें कैसे इन्कार करता है?

वे अपने कामों से परमेश्वर का इन्कार करते हैं

तीतुस 2:2

कलीसिया में वृद्ध पुरुषों के कौन-कौन से गुण होने चाहिए?

उन्हें संयमी, सचेत, गम्भीर होना चाहिए और विश्वास, प्रेम, तथा धीरज में पक्का रहना चाहिए।

तीतुस 2:3

कलीसिया में बूढ़ी स्त्रियों के कौन-कौन से गुण होने चाहिए?

उन्हें भक्तियुक्त होना चाहिए, दोष लगानेवाली और पियक्कड़ नहीं होना चाहिए, बल्कि अच्छी बातें सिखानेवाली होना चाहिए।

तीतुस 2:4

बूढ़ी स्त्रियों को जवान स्त्रियों को क्या चेतावनी देनी चाहिए?

उन्हें अपने पतियों से प्रेम करना और उनकी आज्ञा का पालन करना, और अपने बच्चों से भी प्रेम करना सिखाना चाहिए।

तीतुस 2:7

तीतुस को स्वयं को भले कामों के नमूने के रूप में कैसे प्रस्तुत करना चाहिए?

उनके उपदेश में सफाई होना चाहिए, गम्भीरता और ऐसी खराई से कार्य करना चाहिए कि कोई बुरा न कह सके।

तीतुस 2:8

यदि तीतुस एक अच्छा उदाहरण हैं, तो उनके विरोधियों का क्या होगा?

जो लोग उनका विरोध करते हैं, वे लज्जित होंगे क्योंकि उनके पास तीतुस के बारे में कुछ भी बुरा कहने के लिए नहीं होगा।

तीतुस 2:9

विश्वासियों के रूप में दासों को कैसे व्यवहार करना चाहिए?

उन्हें अपने स्वामियों के अधीन रहना चाहिए, सब बातों में उन्हें प्रसन्न रखना चाहिए, और उलटकर जवाब नहीं देना चाहिए।

तीतुस 2:10

जब मसीही दास पौलुस के निर्देशों का पालन करते हैं, तो इसका दूसरों पर क्या प्रभाव होगा?

यह हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर के उपदेश की शोभा बढ़ा देगा।

तीतुस 2:11

परमेश्वर का अनुग्रह किसे उद्धार दे सकता है?

परमेश्वर का अनुग्रह सभी को उद्धार दे सकता है।

तीतुस 2:12

परमेश्वर का अनुग्रह हमें किन बातों से मन फिराना सिखाता है?

परमेश्वर का अनुग्रह हमें अभक्ति और सांसारिक अभिलाषाओं से मन फिराना सिखाता है।

तीतुस 2:13

विश्वासी किस भविष्य की घटना की प्रतीक्षा करते हैं?

विश्वासी धन्य आशा की प्रतीक्षा करते हैं: हमारे महान परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की महिमा के प्रकट होने की।

तीतुस 2:14

यीशु ने हमारे लिए स्वयं को क्यों दे दिया?

उन्होंने हमें अधर्म से छुड़ाने और शुद्ध करके अपने लिये एक ऐसी जाति बनाने के लिए जो भले-भले कामों में सरगर्म हो, स्वयं को हमारे लिए दे दिया।

तीतुस 3:1

हाकिमों और अधिकारियों के प्रति विश्वासियों का रवैया क्या होना चाहिए?

विश्वासियों को उनके अधीन रहना चाहिए और उनकी आज्ञा माननी चाहिए, और हर अच्छे काम के लिए तैयार रहना चाहिए।

तीतुस 3:3

अविश्वासियों को क्या भ्रम में डालता और दासत्व में रखता है?

उनके विभिन्न प्रकार की अभिलाषा और सुख-विलास उन्हें भ्रम में डालते और दासत्व में रखते है।

तीतुस 3:5

परमेश्वर ने हमें किस माध्यम से उद्धार दिया?

उन्होंने हमें नए जन्म के स्नान और पवित्र आत्मा के हमें नया बनाने के माध्यम से उद्धार दिया।

तीतुस 3:5 (#2)

क्या हमारा उद्धार धार्मिक कामों के कारण हुआ हैं या परमेश्वर की दया के कारण?

हमारा उद्धार परमेश्वर की दया के कारण ही हुआ हैं।

तीतुस 3:7

जब परमेश्वर हमें धर्मी ठहराते हैं, तो वह हमें क्या बनाते हैं?

परमेश्वर हमें अपना वारिस बनाते हैं।

तीतुस 3:8

विश्वासियों को क्या ध्यान रखना चाहिए?

विश्वासियों को भले-भले कामों में लगे रहने का ध्यान रखना चाहिए।

तीतुस 3:9

विश्वासियों को किन चीजों से बचना चाहिए?

विश्वासियों को मूर्खता के विवादों, और वंशावलियों, और बैर विरोध, और उन झगड़ों से, जो व्यवस्था के विषय में हों बचना चाहिए।

तीतुस 3:10

हमें एक दो बार समझा बुझाकर किससे अलग हो जाना चाहिए?

तीतुस *3:14*

हमें एक पाखण्डी से अलग हो जाना चाहिए।

तीतुस 3:14

विश्वासियों को फलदायी होने के लिए किन चीजों में लगे रहना चाहिए?

विश्वासियों को आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये अच्छे कामों में लगे रहना चाहिए।